# पुरुषार्थ बड़ा या प्रालब्ध

- ब्र.कु. उर्वशी बहन,नई दिल्ली

सुनते तो हम बचपन से आये हैं कि कर्म किए बिना कभी फल की प्राप्ति नहीं होती और वैसे ये सत्य भी है। एक उदाहरण से समझते हैं, आप बहुत भूखे हैं आपके आगे भोजन की थाली आई जिसमें 10 पकवान हैं,जिसका आप स्वाद तो लेना चाहते हैं और पेट भी भरना चाहते हैं, परंतु गिट्टी तोड़ना नहीं चाहते तो क्या आपको स्वाद आयेगा? आपका पेट भरेगा? यकीनन नहीं! क्योंकि आप कर्म करना नहीं चाहते परंतु फल की इच्छा रख रहे हैं। यहाँ कर्म है गिट्टी तोड़ना और फल है स्वाद चखना या भूख मिटाना। बिल्कुल ऐसा ही हमारे आध्यात्मिक जीवन में होता है क्योंकि यहाँ भी आप अपना जीवन सुख और शांति से भरपूर करने की इच्छा तो रख रहे हैं परंतु यदि आप कर्म करना नहीं चाहते तो यकीन मानिए आपको कुछ भी मिलने वाला नहीं है। देखिये अब परमात्मा स्वयं इस धरा पर आये हैं हम बच्चों को प्रालब्ध देने परंतु उनका एक ही कहना है कि मीठे बच्चे- पुरुषार्थ कर प्रालब्ध पाओ।

अब ध्यान हमें परमात्मा के इन महावाक्यों पर देना है कि उन्होंने ये नहीं कहा कि जब मैं आया हूँ तो प्रालब्ध तुम्हें मिल ही जायेगी। किन्तु उन्होंने ये कहा कि पुरुषार्थ से ही प्रालब्ध मिलेगी। अब समझना हमें ये है कि पुरुषार्थ का यथार्थ मतलब क्या है। पुरुषार्थ अर्थात् मेहनत, कर्म करना। प्रालब्ध अर्थात् फल प्राप्त करना, लक्ष्य हासिल करना, परिणाम तक पहुंचना। इसको और सरल शब्दों में हम कहें तो पुरुषार्थ है यात्रा और प्रालब्ध है मंज़िल। क्या कभी कोई व्यक्ति बिना यात्रा किये मंज़िल तक पहुंचा है? नहीं ना! इसलिए अब हमें कर्म करने प्रारम्भ करने चाहिए, बजाए सिर्फ विचार करके समय व्यर्थ गंवाने के या कहें सिर्फ मंज़िल ही मंज़िल का चिंतन करने के। इसलिए अब हमें पुरुषार्थ करना माना मेहनत करना अर्थात् कर्म करना चाहिए और पुरुषार्थ कर अपनी प्रालब्ध माना मंज़िल अर्थात् स्वर्ग की बादशाही प्राप्त करनी चाहिए। अब मेहनत किसमें करनी है ये भी हमें ज्ञान होना चाहिए। हमें मेहनत करनी है दैवी गुण धारण करने में, जिससे फिर हम स्वर्ग के मालिक बनेंगे। लौकिक में भी ऊंच पद पाने के लिए कितनी मेहनत करते हैं, तो ये तो सबसे ही ऊंचा पद है क्योंकि इसके बदले हमें राज तख्त मिलता है, तो क्या इसके लिए मेहनत नहीं करनी पड़े! कहा भी जाता है कि भाग्य मेहनत का गुलाम है।

अब बहुत से ब्राह्मण ये सोचकर दिलशिकस्त हो जाते हैं कि पता नहीं प्रालब्ध मिलेगी भी या नहीं, क्योंकि इतना समय तो बीत चुका है पुरुषार्थ करते-करते। परंतु जब ये भगवान का वायदा है कि बच्चे तुम इन दैवी गुणों की धारणा करके ही विश्व के मालिक बन सकते हो 21 जन्मों के लिए तो ज़रूर ये सत्य ही होगा ना! और वैसे एक कहावत भी मशहूर है कि जल्दी मिलने वाली चीज़ें ज़्यादा दिनों तक नहीं चलती और जो ज़्यादा दिनों तक चलती है, वो शीघ्र ही नहीं मिलती। इसलिए अब हमें ये पक्का कर लेना है कि जब तक हम जीवित हैं तब तक हमें पुरुषार्थ करना ही है। पुरुषार्थ करेंगे तो प्रालब्ध स्वतः मिल ही जाएगी, क्योंकि ऐसा कोई कर्म नहीं जिसका कोई फल ही न मिलता हो, फल या तो अच्छा या बुरा मिलता ज़रूर है लेकिन अपने कर्म के अनुसार।

**मनुष्य बहुत ऊंचे लक्ष्य का सपना देखता है, कुछ हद तक प्रयास भी करता है लेकिन लक्ष्य तक पहुंचने की यात्रा को बीच में ही छोड़ देता है। क्योंकि वो लक्ष्य मेहनत मांगता है, निरंतरता मांगता है और एकाग्रता भी। वो अपने फोकस से विचलित हो जाता है, और कहता है मैंने तो लक्ष्य बहुत अच्छा बनाया है, लेकिन प्रालब्ध उनसे दूर ही रह जाती है। फिर वो उदासी, उबासी, और थकान के भंवर में फंस-सा जाता है। इसीलिए मंज़िल को प्राप्त करने के लिए मेहनत और सम्बन्धित संसाधन होना ज़रूरी है और उसमें ताल-मेल होने पर ही मंज़िल पर पहुंच सकते हैं।**

उज्जैन-म.प्र.। ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर के विस्तारीकरण में महाकाल लोक का नवनिर्माण कार्यक्रम में आमंत्रित ब्रह्माकुमारीज़ इंदौर ज़ोन की प्रशासनिक निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. हेमलता दीदी, क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी को मध्य प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने सम्मानित किया। तत्पश्चात् महामंडलेश्वर शांति स्वरूपानंद, बाल योगी उमेश नाथ, आचार्य अवधेशानंद, ऋषिकेश के चिदानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर नारदानंद, सिंधि समाज के आतम दास, रामेश्वर दास आदि से मुलाकात की। लोकार्पण कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

धनास-पंजाब। से.14 वेस्ट म्युनिसिपल काउंसिल के काउंसलर कुलजीत सिंह को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. लाज बहन।

वाशी-नई मुम्बई(महा.)। नवरात्रि पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में चैतन्य देवियों की झांकी का उद्घाटन करने के पश्चात् नवदुर्गा का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए ब्र.कु. शीला दीदी। साथ हैं ब्र.कु. शुभांगी बहन, ब्र.कु. मीरा बहन, ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. नीलम बहन उपस्थित रहे।

इंदौर-इंद्रपुरी(म.प्र.)। मेडिस्क्वेयर हॉस्पिटल में कोरोना वारियर्स डॉक्टर्स और स्टाफ को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. विनोद अरोरा, डॉ. उमेश मसंद, डॉ. सतीश पाठक, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु.पूर्णिमा बहन, डॉ. ब्र.कु. अनुराधा बहन, ब्र.कु. वीका बहन, ब्र.कु. राजमणि बहन तथा अन्य।

मालेगाँव-नाशिक(महा.)। कॉलेज ग्राऊंड पर 40 फिट ऊंचे भव्य मण्डप में नौ चैतन्य देवियों की झांकी व चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलित कर युवा नेता अद्वय आबा हिरे, महाराष्ट्र कृषिमंत्री की धर्मपत्नी अनिता भुसे एवं कृषि उत्पन्न बाज़ार समिती के सभापति बंडू काका बच्छाव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. उज्वल कापडणीस, डॉ. मल्हार देशपांडे, वकील एवं व्यापारी, ब्र.कु. शकुंतला दीदी तथा ब्र.कु. ममता बहन उपस्थित रहे।

जावरा-म.प्र.। 'सुरक्षित भारत मोटर साइकिल यात्रा' कार्यक्रम में मंचासीन हैं ब्र.कु. अनीता दीदी,ज़ोनल को-ऑर्डिनेटर यातायात प्रभाग,इंदौर, एस.डी.एम हिमांशु प्रजापति, सी.एस.पी. अभिषेक आनंद, ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. सावित्री बहन, ब्र.कु. रजनी बहन तथा अन्य।

वाशिम-महा.। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर आयोजित 'साइलेंस शक्ति द्वारा रोगों पर विजय' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. हरीश,बाल रोग चिकित्सक, पंडितराव सरनाईक,उप पुलिस अधीक्षक, ब्र.कु. नारायण भाई,इंदौर, ब्र.कु. स्वाति बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका तथा अन्य गणमान्य लोग।

जम्मू और कश्मीर। आर एस पूरा क्षेत्र में 'मेरा जम्मू, व्यसन मुक्त जम्मू' के लक्ष्य को लेकर अनेक शैक्षणिक और अन्य संस्थानों में वीडियो शो द्वारा कार्यक्रम किए गए। आर्यन पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम में उपस्थित रहे ब्र.कु. मीना बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. अनुज भाई, ब्र.कु. गिरधारी भाई एवं ब्र.कु. फतेह चंद भाई।

पुणे-रविवार पेठ(महा.)। ब्रह्माकुमारीज़ एवं पुणे महानगरपालिका के पुणेरी नायक स्वच्छता लीग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 'स्वच्छता अभियान' के शुभारंभ अवसर पर स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रोहिणी बहन, अधिकारी गण, कॉलेज के छात्र तथा ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

राजगढ़-ब्यावरा(म.प्र.)। 'अंतर्राष्ट्रीय वृद्ध दिवस' पर आयोजित कार्यक्रम में सभी वृद्धजन को सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में साथ हैं जिला संचालिका ब्र.कु. मधु बहन।

अमेठी-उ.प्र.। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् समूह चित्र में एस.डी.एम. प्रीति तिवारी, एस.एच.ओ., तहसीलदार, ब्र.कु. सुमित्रा बहन, ब्र.कु. सुषमा बहन तथा अन्य।

रतलाम-म.प्र.। राजीव गांधी सिविक सेंटर सेवाकेन्द्र पर दादी प्रकाशमणि जी के स्मृति दिवस पर पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात् समूह चित्र में नगर निगम एम.आई.सी. सदस्य, पार्षद भ्राता विशाल शर्मा जी, नगर निगम एम.आई.सी. सदस्य एवं पार्षद रामलाल तथा ब्र.कु. मनोरमा।



देवतालाब-रीवा(म.प्र.)। आध्यात्मिक कार्यक्रम के दौरान एस.डी.एम.,मऊगंज को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लता बहन।